HRA an USIUN The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

27/3/86

भाग II—चण्ड ३—उप-चण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

#• 530] No. 530] नद्दे बिल्ली, शुक्रवार, विसम्बर 6, 1985/अपहायण 15, 1907

NEW DEDHI, FRIDAY, DECEMBER 6, 1985/AGRAHAYANA 15, 1907

इस भाग में भिम्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जासके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वतस्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1985

अधिमुचना

सा. का. नि. 892(अ) :--खाद्य अपियण निवारण निवास 1955 का और संबोधन करने के लिए निवासों का एक प्राह्म, खाद्य अपियण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपवारा (1) की अपेक्षानुसार, भारन मरकार के स्वास्थ्य और परि-वार कर्माण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिमुखना सं. सा. का. नि. 78(अ), तारीख 8 फरवरीं. 1985 के अधीन भारत के राजपत, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपबंड (i), तारीख 8 फरवरीं, 1985 के पृष्ट 1-5 पर प्रकाणित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों में जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको राजपत्र की प्रकाशित होने की संभावना प्रकाशित हुई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, नटबे दिन की अविध के अवसान में पहले अक्षेप और मुसाब मार्ग गए थे

और जक्त राजपत्न को प्रतिया जनता को ४ फरअरी, 1985 की जनलब्ध करा दी गई थीं .

और केन्द्राय सरकार ने उक्त प्राप्त्य नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त अक्षेपों और सुझायों पर विचार कर स्विया है ;

अतः, केन्द्राय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक सांसीन से परभर्ष के पत्चान् स्वाध अपिश्वण निक्र एए नियम, 1955 का और संशोधन करने के जिए, निस्नलिखिन नियम बनातों है, अर्थान् :---

- (1) इत तियनो का सिक्षास नाम खाद्य अपिनश्रम निजारण (नीवां संगोधन) नियम, 1985 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाणन को नाराख में छड़ माम को अवधि के पश्यान् प्रश्नुन होंगे ।
 - थ. खाद्य अर्थामध्यम निधारण नियम, 1955 में,---
- (1) नियम 12 के खांड (य) के पश्चान् निम्नलिखित खंड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थान् :---
 - "(यय) ऐसे प्रस्वेज पैकेज पर, जिसमें सोयाबीन क्षेत्र (परिष्कृत) ओर मूंगफर्ला तेल का सम्मिश्रण है, निस्तिलियत लेवल होगा, अर्थात्:--

इ.स. मिश्रित तेल में, सोयार्कान का तेल परिष्कृत मृंगफला का तेल का सम्मिश्रण है।

--वजन में प्रतिशस, ---वजन में प्रतिशस ।"; (2) नियम 44 में विद्यमःन परश्तुकों के पश्चात् निम्नलिखित परस्तुक अंस में अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"परस्तु यह भी कि खंड (इ) में का प्रतिपेध मूंगफली के तेल के साथ सोयाबीन तेल (परिष्कृत) में सम्मिश्रण की बावत् वहां अप्रमावी रहेगा, अहां :—

- (क) सम्मिश्रण में मूंगफली के तेल का अनुपात श्रजन में 20 प्रति-शत से कम नहीं हैं,
- (ख) सिम्मश्रण का प्रसंस्करण और विकय भारत सरकार खें नागरिक पूर्ति विभाग या उस विभाग और राष्ट्रीय हेरी विकास बीड की तिलहन ओर यनस्पति तेल परियोजनाओं के अधीन स्थापित राज्य सहकारी तिलहन उत्पादक परिसंघ के प्राधि कृषी अभिकर्ताओं द्वारा ऐसे मुद्रायंद पैकेजों में किया जाना है जिनका वजन 5 कि. या. से अधिक नहीं है और जिन पर नियम 42 के खंड (यय) में अधिकथित घोषणा का लेक्न लगा है;
- (ग) सम्मिश्रण मैं प्रथुक्त सोयः भीन के तेल (परिष्कृत) आर मूंगफला के लेल की क्यालिटी इन नियमों द्वारा विहित मानकों के अनुरूप है;"
- (3) परिणिष्ट "खं" में मद क. 17.23 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित को जाएगी, अर्थात् —

"क. 17.24. संायार्वान के तेल (परिष्कृत) और सूंगफलों के तेल के सम्मिश्रण से सोयार्वान के तेल (परिष्कृत) जार सूंगफलों के तेल का सम्मिश्रण अभिनेत हैं, जहां सम्मिश्रण में सूंगफलों के तेल का अनुपान वजन में 20 प्रतिशत से कम नहीं होगा और दोनों तेल इन नियमों द्वारा विहित तत्संबंधी मानकों के अनुष्ण होंगे। सम्मिश्रण साफ, दुर्गन्ध निलंबित या अन्य विजासीय पवार्थ, पृथवकृत जल, मिलाया गया रंजक पदार्थ सुक्षिकारक पदार्थी और खनिज तेल से मुक्त होगा। यह निम्नलिखिय अपेकाओं के अनुष्ण भी होगा, अर्थात्:—

- (क) ओलिक अम्न के रूप में मुक्त वजन में 1.0 प्रतिशत से अधिक द्रसाअस्य नहीं
- (ख) असानुनीकरणीय पदार्थ वजन में 1.30 प्रतिशत से अधिक नहीं''

टिप्पण:--खाश अपिमिश्रण निवारण नियम, 1955 से संबंधित मूल नियम, प्रथम बार भारत के राजपन्न, भाग II, खण्ड 3 में का निं. आ. 2106, तारीख 12-9-55 द्वारा प्रकाणित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संगोधन किए गए:--

- का. नि. आ. 1202 सरीख 26-5-56
- 2. का. नि. था. 1687, तारीख 28-7-56
- का. नि. जा. 2213, तारीख 28-9-56 (असाधारण)
- 4. का. नि. आ. 2755 तारीख 24-11-56

उसमें किए गए और संबोधन मारत के राजपन्न, भाग, H, खण्ड 3 उपक्षण्ड (i) में निम्तप्रकार प्रकाशित किए गए थे :--

- 5. सा. का. नि. 514, तारी**ख** 28-6-58
- 6. सा. वा. नि. 1211, तारीख 20-12-58
- 7. सा. का. नि. 425, नारीख 4-4-60
- 8. सा. का. नि. 169, तारीख 11-2-61
- 9. सा. का. नि. 1134, तलेख 16-9-61

- 10 सा. का. नि. 1340, तारीख 4-11-61
- 11. सा. का. नि. 1564, तारीख 24-11-61
- 12 सा. का. नि. 1580, तारीख 20-10-64
- 13 सा. का. नि. 1814, तारीखा 11-12-65
- 14. सा. का. नि! 74, तारीख 8-1-65
- 15 सा. का. नि. 382, तारी**ख** 19-3-66
- 16 सा. का, नि. 1256, तारीख 26-8-67
- 17. सा. का. नि. 1533, तारीख 24-8-68
- 18 सा. का. नि. 2163, तारीख 14-12-68 (**पुद्धि**पत्न)
- 19 सा. का. नि. 532, नारीख 8-3-69
- 20 सा. का. नि. 1764, तारोख 26-7-69 (मुद्धिपत्र)
- 21. सा. का. नि. 2068, नाराख 30-8-69
- 22. सा. का. नि. 1809, ताराख 24-10-70
- 23. सा. का. नि. 938, तारोख 12-6-71
- 24. मा. का. नि. 992, तारीख 3-7-71
- 25. सा, का. नि. 553, तारीख 6-5-72
- 26 सा. का. नि. 436(अ) नारीख 10-10-72
- 7. मा. का **नि**. 133, नारी**ख** 10-2-73
- 28 सा. का. नि. 205, तारीख 23-2-74
- 29. मा. मा. नि. 850, तारीख 12-7-75
- 30. सा. का. नि. 508(अ) तारीख 27-9-75
- 31. सा. का. नि. 63(अ) तारीख 5-2-76
- 32. सा. का. नि. 754, तारीख 29-5-70
- सा. का. नि. 856, नारंख 12-6-76
- 34. सा. का. नि. 1417, तारीख 2-10-76
- 35. स⊺, का. सि. 4(अ) तारीख 4-I-77
- 36. सा. का. नि. 18(अ) नारीख 15-1-77
- 37. मा. का. नि. 651(अ), तारीख 20-10-77
- 38. स7. का. नि. 732(अ), वारीख 5-12-77
- 39. स[.]. का. नि. 775(अ) नारीख 27-12-77
- 40. सा. का. नि. 36(अ) साराख 21-1-78
- 41. सा. का. नि. 70(अ), सारोख 8-2-78
- 42. सा. का. नि. 238(अ), त.रीख 20-4-78
- 43. सा. का. नि. 393(अ), न**ामक 4-8-78**
- 4.4. मा. का. नि. 590(अ) तत्रेख 23-12-78
- 45. सा. का. नि. 55(अ) तारीख 31-1-79
- 46. का. आ. 142(अ), त.राख 16-3-79 (गुजिपत)
- 47. सा. को. नि. 231 (अ), तारीख 6-4-79
- 48. सा. का. नि. 423, तारीख 30-6-79 (गुढिपत)
- 49. सां. कां. नि. 1043, ताराख 11-8-79 (मुद्धिपत)
- 50. सा. का. नि. 1210, तारीख 29-9-79 (मुखिपत्र)
- 51 सा. का. नि. 19(अ), नाराख 28-1-80
- 52. सा. का. नि. 243, तारीख 1-3-80
- 53. म. का. नि. 244, वारीख 1-3-80
- 54 सा. का. नि. 996, नारीख 8-9-80 (म्रांडियन)
- 55. सा. का. नि. 579(अ) तसीख 13-10-80
- 56. सा. का. नि. 652(अ) नारीख 14-11-80
- 57 सा. का. नि. 710(अ) नारीख 22-12-80

58. सा. का. नि. 23 (अ) सारीख 16-1-81

59. सा. का. नि. 205 (अ) तत्रोख 25-3-81 (मृद्धिपक्ष)

60. सा. का. नि. 290 (अ) नारोख 13-4-81

61. सा. का. नि. 444, तारोख 2-5-81 (मृद्धिपता)

62 सा. काृनि. 503 (अ) तारीख 1-9-81

63 सा. का. नि. 891, तारींख 3-10-81 (मुद्धिपत्र)

64 सा. का. नि. 1056, तारीख 5-12-81 (मुखिपत)

65. सा का. नि. 80 नारोख 23-1-82 (म्ब्रियज)

66. सा. का. नि. 44 (अ) तारीख 5-2-82

67. सा. का. नि. 57 (अ) नारीख 11-2-82

68. सा. का. नि. 245 (अ), करीख 11-3-82

69. सा. का. नि. 307 (अ) तारीख 3-4-82 (मृद्धिपत्न)

70. सा. का. नि. 386, तारीख 17-4-82 (णुद्धिपत)

71 सा. का. नि. 422 (अ), तारीख 24-5-82

72. सा. का. नि. 476 (अ) नार्राख 29-8-82

73 सा. का. नि. 504 (अ), तारीख 20-7-82

74. सा. का नि. 753 (अ) तारीख 11-12-82 (गुढिपन)

75. सा. का. नि. 109 (अ), नारोख 26-2-83

76, सा. का. नि. 249 (अ) तारीख 8-3-33

77. सा. का. नि. 268 (३), तारीख 16-3-83

78. सर. का. नि. 283 (अ) तारीख 26-3-83

79. सा. का. नि. 319 (अ) तारीख 14-4-83 (मुक्सिम)

80 सा. का. नि. 539 (अ) तारीख 1 7-83 (मुद्धिपक्क)

81 सा. का. नि. 634 कारीख 9-8-83 (गुढ़िपक्र)

82. सा. का. नि. 745 तारीख 8-10-83 (गुद्धिपत्न)

83 सा. का. नि. 790 (अ) सारीख 10-10-83

84 सा. का, नि. 803 (अ) तारोध 27-10-83

85 सा. का. नि. 816 (अ) तारीख 3-11-83

86 सा. का. नि. 829 (अ) सारीख 7-11-83

87 सा. का. नि. 848 (अ) तारीख 19-11-83

88 सा. का. नि. 113 (अ) तारीख 20-1-84 (गुब्बिपदा)

89 सा. का. नि, 893 (अ) तारीख 17-12-83

90 सा, का नि. 500 (अ) तारोख 9-7-84

91 सा. का. नि. 612 (अ) तार्राख 18-8-84 (गुद्धिपन)

92 सा. का. नि. 744 (अ) तारोख 27-10-84

93. सा. का. नि. 764 (अ) त.रीख 15-11-84

94 सा. का. नि. 3 (अ) तारीखा 1-1-85

95 सा. का. नि. 11 (अ) तारीख 4-I-85

96 सा. का. नि. 142 (अ) सारोख 8-3-85 (शुद्धिपत्न)

97. सा. का. नि. 293 (अ) तारीख 23-3-85

98 सा. का. नि. 368 (अ) तारीख 18-4-85 (शुद्धिपत्न)

99 सा. का. नि. 385 (अ) तारोख 29-4-85 (गुद्धिपत)

100 सा. का ति. 543 (अ) तारीख 2-7-85

101 सा. का. नि. 550 (अ) तारीखा 4-7-35

102 सा. का. नि. 587 (अ) तारीख 17-7-85 (मुक्किपल)

103 सा. का. ति. 605 (अ) त*रीख* 21-7-85

104. सा का. नि. 748 (अ) तीर्राख 209-85

105 मा. जा. नि. 745 (अ) तारीख 20-9-85

106 सा. फा. नि. 748 (अ) तारीख 23-0-85 (गुद्धिपन)

[सं. पं: 15014/९/१०-पी/ एत. (एक. एण्ड एन) पी.

- एफ, ए, (बाल 2)<u>]</u>

एस. वा. सुन्नामांगयन, संयुक्त सविव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARF

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, 6th December, 1985

G.S.R. 892 (E).—Whereas cartain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) with the notification of the Government of India in the Ministry of Hoalth and Family Wolfare (Department of Health), No. G.S.R. 78(E), dated the 8th February, 1985, in the Gozette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 8th February, 1985, at pages 1—5, inviting objection and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of ninety days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public;

And, whereas, the copies of the said notification were made available to the public on the 8th February, 1985;

And, whereas, the objections and suggestions received from the public on the draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of food Adulteration Rules, 1955, namely:—

RULES

- 1.(1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Ninth Amanedment) Rules, 1985. They shall come into force after a period of six months from the date of their publication in the official Gazette.
 - 2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955,—
 - (1) after clause (Z) of rule 42, the following clause shall be inserted, namely:—

"(ZZ)Every package containing an admixture of soyabean oil (refined) and groundnut oil shall carry the following label, namely:—

This blended oil contains an admixture of Soyabean oil (refined)— % by weight and Groundnut oil— % by weight.";

(2) in rule 44, after the existing provisos, the following proviso shall be inserted at the and, namely:—

"Provided also that the prohibition in clause (e) shall remain inoperative in respect of the admixture of soyabean oil (refined) with groundnut oil, where,—

(a) the proportion of groundnut oil in the admixture it not less than 20 per cent by weight;

- (b) the admixture is processed and sold by the Department of Civil Supplies, Government of India or the authorised agencies of that Department and the State Co-operative Oilseeds Growers Federation set up under National Dairy Development Board's oilseed and vegetable oil projects, in sealed packages weighing not more than 5 kgs and bearing the label declaration as laid down in clause (ZZ) of rule 42;
- (c) the quality of soyabean oil (refined) and the groundnut oil used in the admixture conforms to the standards prescribed by these rules";
- (3) in appendix 'B', after item A.17,23, the following item shall be inserted, namely:—
 - "A. 17.24—Blond of Soyaboan oil (Refined) and Groundnut oil means the blend of Soyaboan oil (refined) and Groundnut oil where the proportion of Groundnut oil in the belond shall not be less than twenty per cent by weight, and both the oils shall conform to the respective standards prescribed by those rules. The blend shall be clear, free from rancidity suspended or other foreign matter, separated water, added colouring matter, flavouring substances and mineral oil. It shall also conform to the following requirements, namely:—
 - (a) Free Fatty acid as eleic acid Not more than 1.0 per cent by weight:
 - (b) Unsaponifiable matter Not more that 1.30 per cent by weight."

NOTE: The prevention of Food Adulteration Rules 1955 were first published in Part II Section 3 of the Gazette of India vide S.R.O. 2106 dated 12-9-55 and subsequently amended as follows by:—

- 1. S.R.O. 1202 dt. 26-5-56
- 2. S.R.O. 1687 dt. 28-7-56
- 3. S.R.O. 2213 dt. 28-9-56 (Extraordinary)
- 4. S.R.O. 2755 dt. 24-11-56

The further amendments were published in Part II. Section 3 sub-section (i) of Gazette of India as follow by:—

- 5. G.S.R. 514 dt. 28-6-58.
- 6. G.S.R. 1211 dt, 20-12-58.
- 7. G.S.R. 425 dt. 4-4-60
- 8. G.S.R. 169 dt. 11-2-61
- 9. G.S.R. 1134 dt. 16-9-61
- 10. G.S.R. 1340 dt. 4-11-61
- 11. G.S.R. 1564 dt. 24-11-62
- 12. G.S.R. 1589 dt. 22-10-64 13. G.S.R 1814 dt. 11-12-65
- 15. O.S.R 1014 dt, 11-12-0.
- 14. G.S.R. 74 dt. 8-1-66
- 15, G.S.R. 382 dt. 19-3-66
- 16. G.S.R. 1256 dt. 26-8-67
- 17. G.S.R. 1533 dt. 24-8-68
- 18. G.S.R. 2163 dt. 14-12-68 (Corrigendum)
- 19. G.S.R. 532 €t. 8-3-€9
- 20. G.S.R. 1764 dt. 26-7-69

- 21. G.S.R. 2068 dt. 30-8-69
- 22. G.S.R. 1809 dt. 24-10-70
- 23. G.S.R. 938 dt. 12-6-71.
- 24. G.S.R. 992 dt. 3-7-71
- 25. G.S.R. 553 dt. 6-5-72
- 26. G.S.R, 436 (E) dt. 10-10-72.
- 27. G.S.R. 133 dt. 10-2-73
- 28. G.S.R. 205 dt. 23-2-74
- 29. G.S.R. 850 dt. 12-7-75
- 30. G.S.R. 508 (E) dt. 27-9-75.
- 31. G.S.R. 63 (E) dt. 5-2-76.
- 32. G.S.R. 754 dt. 29-5-76,
- 33. G.S.R. 856 dt. 12-6-76.
- 34. G.S.R. 1417 dt. 2-10-76
- 35, G.S.R. 4(E) dt. 4-1-77
- 36. G.S.R. 18(E) dt. 15-1-77
- 37. G.S.R, 651 (E) dt. 20-10-77
- 38. G.S.R. 732 (E) dt. 5-12-77
- 39. G.S.R. 775 (E) dt. 27-12-77
- 40. G.S.R. 36 (E) dt. 21-1-78 41. G.S.R. 70 (E) dt. 8-2-78
- 43 C C B 238 (E) 4: 30 4 7:
- 42. G.S.R. 238 (E) dt. 20-4-78
- 43. G.S.R. 393 (E) dt. 4-8-78 44. G.S.R. 590 (E) dt. 23-12-78
- 45. G.S.R. 55 (E) dt. 31-1-79
- 46. S.O. 142 (E) dt. 16-3-79 (Corrigendum)
- 47. G.S.R. 231(E) dt. 6-4-79
- 48. G.S.R. 423 dt. 30-6-79 (Corrigondum)
- 49. G.S.R. 1043 dt. 11-8-79 (Corrigendum)
- 50. G.S.R. 1210 dt. 29-9-79 (Corrigendum)
- 51. G.S.R. 19 (E) dt. 28-1-80
- 52. G.S.R. 243 dt. 1-3-80
- 53. G.S.R. 244 dt. 1-3-80
- 54. G.S.R. 996 dt. 8-9-80 (Corrigendum)
- 55. G.S.R. 579 (E) dt. 13-10-80
- 56. G.S.R. 652 (E) dt. 14-11-80
- 57. G.S R. 710 (E) dt. 22-12-80
- 58. G.S.R. 23 (E) dt. 16-1-81
- 59. G.S.R. 205 (E) dt. 25-3-81 (Corrigendum)
- 60. G.S.R. 290 (E) dt. 13-4-81
- 61. G.S.R. 444 dt. 2-5-81 (Corrigendum)
- 62. G.S.R. 503 (E) dt. 1-9-81
- 63. G.S.R. 891 dt. 3-10-81 (Corrigendum)
- 64. G.S.R. 1056 dt. 5-12-81 (Corrigendum)
- 65. G.S.R. 80 dt. 23-1-82 (Corrigendum)
- 66, G.S.R. 44 (E) dt. 5-2-82
- 67. G.S.R. 57 (E) dt. 11-2-82
- 68. G.S.R. 245 (E) dt. 11-3-82
- 69. G.S.R. 307 (E) dt. 3-4-82 (Corrigendum)
- 70. G.S.R. 386 dt. 17-4-82 (Corrigondum)
- 71. G.S.R. 422 (E) dt. 24-5-82
- 72. G.S.R. 476 (E) dt. 29-6-82
- 73. G.S.R., 504 (E) dt. 20-7-82 (Corrigendum)
- 74. G.S.R. 753 (E) dt. 11-12-82 (Corrigendum)
- 75. G.S.R. 109 (E) dt. 26-2-83
- 76. G.S.R. 249 (E) dt. 8-3-83

- 77. G.S.R. 268 (E) dt. 16-3-83
- 78. G.S.R. 283 (E) dt. 26-3-83
- 79. G.S.R. 329 (E) dt.14-4-83 (Corrigendum)
- 80. G.S.R. 539 (E) dt. 1-7-83 (Corrigendum)
- 81. G.S.R. 634 dt. 9-8-83 (Corrigondum)
- 82. G.S.R. 743 dt. 8-10-83 (Corrigendum)
- 83. G.S.R. 790 (E) dt. 10-10-83
- 84. G.S.R. 803 (E) dt. 27-10-83
- 85. G.S.R. 816 (E) dt. 3-11-83
- 86, G.S.R. 829 (E) dt. 7-11-83
- 87. G.S.R. 848 (E) dt. 19-11-83
- 88. G.S.R. 893 (E) dt. 17-12-83 (Corrigendum)
- 89. G.S.R. 113 dt. 20-1-84 (Corrigendum)
- 90, G.S.R. 500 (E) at. 9-7-84
- 91. G.S.R. 612 (E) dt. 18-8-84 (Cortigenoum).
- 92. G.S.R. 744(E) dt. 27-10-84.
- 93. G.S.R. 764 (E) dt. 15-11-84.

- 94. G.S.R. 3(E) dt. 1-1-85
- 95. G.S.R. 11(E) dt. 4-1-85
- 96. G.S.R. 142(E) dt. 8-3-85 (Corrigencum).
- 97. G.S.R. 293 (E) dt. 23-3-85.
- 98. G.S.R. 368 (E) dt. 18-4-85 (Corrigendum).
- 99. G.S.R. 385 (E) dt. 29-4-85 (Corrigendum).
- 100. G.S.R. 543 (E) dt. 2-7-85
- 101. G.S.R. 550 (E) dt. 4-7-85
- 102 G.S.R. 587 (E) dt 17-7-85 (Corrigendum)
- 103 G.S.R. 605 (E) dt. 24-7-85.
- 104, G.S.R. 746 (E) ct. 20-9-85
- 105. G.S.R. 745 (E) at. 20-9-85
- 106. G.S.R. 748 (E) dt. 23-9-85 (Corrigendum).

[No. P.15014/8/80-РН(F&N) PFA-(Vol. II)]

S. V. SUBRAMANIYAN, Jt. Secy.

